हादसा

चिरीघाट पर पंचर बना रहे ट्रक को कंटेनर ने पीछे से मारी टक्कर, तेज रफ्तार और लापरवाही ने ली दो जिंदगियां

दो वाहनों की जोरदार भिड़ंत में दोनों चालकों की मौत

नारायणगंज/ मंडला, नवभारत। मंडला-जबलपुर नेशनल हाईवे 30 मार्ग इन दिनों खूनी सड़क के रूप में तब्दील होता जा रहा है। वाहनों की अनियंत्रित रफ्तार और लापरवाही के कारण आए दिन लोग असमय काल के गाल में समा रहे हैं। बताया गया कि टिकरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिरी के घाट में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जहाँ मंगलवार तड़के एक ट्रक और कंटेनर के बीच हुई भीषण भिड़ंत में दोनों वाहनों के चालकों की दर्दनाक मौत हो गई।

वाहन में बुरी तरह फंस गया चालक

बताया गया कि यह भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और उसका चालक केबिन के भीतर ही बुरी तरह फंस गया। वहीं ट्रक के नीचे बैठकर पंचर हुए टायर को खोल रहे ट्रक चालक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वह भी इस भीषण टक्कर की चपेट में आ गया। हादसे में दोनों चालकों की मौके पर ही मौत हो गई। टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे ने बताया कि मृतकों में ट्रक चालक आनंद किशोर टोप्पो पिता इमेल टोप्पो 51 वर्ष निवासी घोंटा, बिछिया, कंटेनर चालक सर्वेश पिता श्याम लाल गोंड 40 वर्ष निवासी ढोलपुर राजस्थान है।

पंचर बना रहा था ट्रक चालक, पीछे से आई मौत

टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे ने बताया कि दुर्घटना मंगलवार सुबह लगभग 5 बजे की है। ट्रक क्रमांक सीजी 22 जे 6075 जबलपुर से मंडला की ओर आ रहा था। चिरी घाट पर अचानक ट्रक का टायर पंचर हो गया। चालक ने सावधानी बरतते हुए ट्रक को सड़क के किनारे अपनी साइड में खड़ा किया और नीचे बैठकर पंचर टायर को खोलने लगा। इसी दौरान जबलपुर की दिशा से ही आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर क्रमांक आरजे 11 जीसी 8798 के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। घाट की ढलान और अत्यधिक गति के कारण कंटेनर ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि पूरा इलाका दहल उठा।

परिजनों और मालिकों को दी सूचना

घटना की सूचना मिलते ही टिकरिया पुलिस टीम मौके पर पहुँची और कड़ी मशक्कत के बाद शवों को वाहनों से बाहर निकाला गया। दोनों मृतकों के शवों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज भेजा गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों के मालिकों और मृतकों के परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी गई। सूचना मिलते ही परिजन और वाहन मालिक नारायणगंज पहुंचे। पुलिस ने मर्ग कायम कर दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस हादसे की विस्तृत जाँच शुरू कर दी है।

हाईवे में बढ़ रहे हादसे, सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

नारायणगंज क्षेत्र का चिरी घाट अपनी घुमावदार बनावट के कारण वैसे ही संवेदनशील माना जाता है, ऊपर से भारी वाहनों की बेलगाम रफ्तार ने इसे और भी खतरनाक बना दिया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि मुख्य मार्गों पर रफ्तार पर अंकुश लगाने और खड़े वाहनों के लिए उचित संकेतकों की व्यवस्था नहीं की गई, तो ऐसे हादसों पर रोक लगाना मुश्किल होगा।

अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटा, 21 वर्षीय युवक की मौत

जामगांव-चमरवाही मार्ग पर तालाब के पास हुआ हादसा

नैनपुर, नवभारत। नैनपुर क्षेत्र के ग्राम जामगांव में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ चमरवाही सड़क मार्ग पर तालाब के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस भीषण हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने के कारण चालक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी अनुसार दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब 8 बजे की है। ग्राम जामगांव निवासी तरुण यादव (21 वर्ष), पिता कुंवर यादव ट्रैक्टर लेकर चमरवाही मार्ग से गुजर रहा था। तभी अचानक तालाब के पास वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना अचानक और गंभीर था कि तरुण को संभलने का मौका भी नहीं मिला और वह भारी-भरकम ट्रैक्टर के नीचे बुरी तरह दब गया।

जांच में जुटी पुलिस

अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर नैनपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है कि हादसा वाहन की तेज रफ्तार के कारण हुआ या किसी तकनीकी खराबी की वजह से। वहीं, महज 21 वर्ष के होनहार युवक की असमय मौत से पूरे जामगांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मशक्कत के बाद निकाला बाहर, अस्पताल में मृत घोषित

घटना की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों ने भारी मशक्कत और सूझबूझ के बाद युवक को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला। परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल सिविल अस्पताल नैनपुर लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। यहाँ चिकित्सकों ने गहन परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

शनिदेव अब कहलाएंगे श्री पहाड़ेश्वर शनिदेव महाराज

नक्खी माई मंदिर में शनि जयंती पर विधि-विधान से हुआ नामकरण

बकौरी/मंडला। जिले के बकोरी स्थित प्रसिद्ध सिद्ध पीठ नक्खी माई मंदिर परिसर में विराजित शनिदेव को अब एक नई पहचान मिली है। शनि जयंती के पावन अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में शनिदेव का नामकरण श्री पहाड़ेश्वर शनिदेव महाराज के रूप में किया गया। पहाड़ी क्षेत्र की गोद में विराजमान होने के कारण आचार्य श्री नीलू महाराज द्वारा शास्त्रोक्त विधि-विधान से यह नाम निर्धारित किया गया है।

शनि जयंती के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12 बजे महा शनि यज्ञ के साथ हुई। इस दौरान विशेष रूप से शुद्ध देशी गाय के दूध, दही, घी और सरसों के तेल से शनिदेव का महाभिषेक किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा के साथ शनिदेव के 108 नामों का जाप करते हुए सामूहिक अर्चन किया। पंडित नीलू महाराज ने बताया कि हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार शनि देव को न्याय का देवता और कर्मफल दाता माना जाता है। महाराज ने बताया कि विशेषकर कलियुग में शनि उपासना का अत्यधिक महत्व है। मान्यता है कि सच्चे मन से श्री पहाड़ेश्वर शनिदेव की आराधना करने से जीवन के कष्ट, शनि दोष और ग्रह बाधाएं शांत होती हैं, जिससे भक्तों को मानसिक शांति और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

भंडारा और महाआरती के साथ समापन-शिक्षक डीके सिंगौर ने बताया कि दिन भर चले अनुष्ठानों के बाद शाम 5 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि 8 बजे भव्य महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान नक्खी माई परिसर शनिदेव के जयकारों से गुंजायमान रहा। डीके सिंगौर ने इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी श्रद्धालुजनों की सहभागिता के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि अब से यह स्थान श्री पहाड़ेश्वर शनिदेव के नाम से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहेगा।

एनएच -30 पर दो कंटेनरों की भिड़ंत से केबिन में फंसे तीन गंभीर घायल

ओवरटेक करने के चक्कर में धनवाही और खुटापड़ाव के बीच हुआ हादसा, प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज किया रेफर

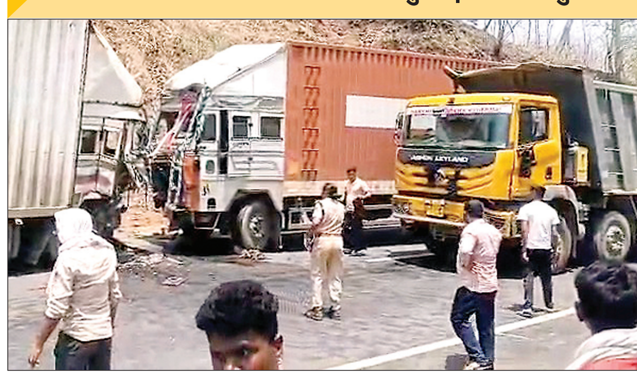

बीजाडांडी, नवभारत। जबलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीजाडांडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम धनवाही और खुटापड़ाव के बीच मंगलवार को ओवरटेक करने के प्रयास में दो तेज रफ्तार कंटेनरों की आमने-सामने सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह पिचक गए और चालक व परिचालक केबिन के भीतर ही फंस गए। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जानकारी अनुसार एक कंटेनर मंडला की दिशा से आ रहा था, जबकि दूसरा कंटेनर विपरीत दिशा यानी जबलपुर की ओर से जा रहा था। जैसे ही दोनों वाहन धनवाही और खुटापड़ाव के बीच पहुंचे, इसी दौरान ओवरटेक करने की होड़ में दोनों के चालकों ने नियंत्रण खो दिया और भारी-भरकम कंटेनर आपस में सीधे टकरा गए। भिड़ंत की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने हादसे की सूचना तत्काल बीजाडांडी पुलिस और डायल 112 को दी।

पुलिस और राहगीरों ने मशक्कत कर निकाला बाहर

सूचना मिलते ही बीजाडांडी थाना प्रभारी अनिता कुड़ापे अपने पुलिस स्टाफ के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस ने स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। वाहनों के केबिन को काटकर अंदर फंसे घायलों को काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस की मदद से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीजाडांडी उपचार के लिए लाया गया।

घायलों को जबलपुर किया रेफर

बीजाडांडी थाना प्रभारी अनिता कुड़ापे ने बताया कि इस भीषण दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालकों सहित कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों की पहचान कृष्ण पाल 29 वर्ष, पिता राममुनी, निवासी इलाहाबाद उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। कृष्ण पाल को हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई है। वहीं रण विजय प्रताप सिंह 27 वर्ष, पिता रविन्द्र सिंह, निवासी औरैया उत्तर प्रदेश को सिर में गंभीर चोट आई है। इसके साथ ही सुनील 30 वर्ष, पिता रामेश्वर, निवासी इलाहाबाद उत्तर प्रदेश को हाथ और पैर में गहरी चोटें आई है। बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीजाडांडी में पदस्थ चिकित्सकों ने तीनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालांकि तीनों की नाजुक हालत और अत्यधिक खून बहने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए तत्काल जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को मार्ग से हटवाकर यातायात सुचारू कराया और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक दावे के साथ दिलाया 2 लाख के बीमा का लाभ

बीजाडांडी। भारतीय स्टेट बैंक की बीजाडांडी शाखा ने संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। बैंक प्रबंधन की सतर्कता के कारण एक ग्रामीण परिवार को न केवल उनके मृतक दावे का निपटारा मिला, बल्कि अनजाने में सक्रिय प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का 2 लाख का लाभ भी प्राप्त हुआ। जानकारी अनुसार ग्राम निवासी स्वर्गीय तुलाराम की धर्मपत्नी सविता बाई अपने पति के खाते के निपटारे और मृतक दावा जमा करने बैंक पहुँची थीं। जब शाखा प्रबंधक दीक्षा सोनी ने दस्तावेजों की बारीकी से जांच की, तो उन्हें पता चला कि मृतक के खाते पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सक्रिय थी। पीड़ित परिवार इस महत्वपूर्ण जानकारी से पूरी तरह अनजान था। एसबीआई बीजाडांडी शाखा और शाखा प्रबंधक श्रीमती दीक्षा सोनी की इस सहृदयता की पूरे क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बैंक प्रबंधन सजग न होता, तो एक गरीब परिवार इस सरकारी योजना के लाभ से वंचित रह जाता।

शो-पीस बना आंगनबाड़ी का पंखा, भीषण गर्मी में कपड़े से हवा करने मजबूर नौनिहाल

दीवार पर टंगा पंखा और मीटर दे रहे बदहाली की गवाही, शिकायत के बाद अधिकारी ने दिए जांच के निर्देश

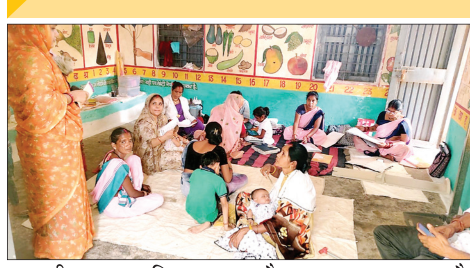

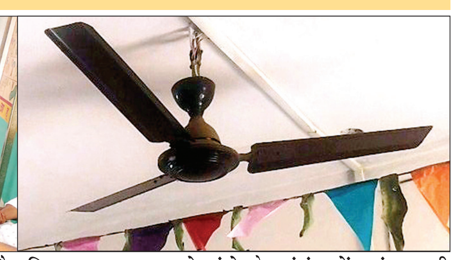

घुघरी, नवभारत। महिला एवं बाल विकास विभाग के दावों की जमीनी हकीकत देखनी हो, तो विकासखंड घुघरी के बस स्टैंड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-3 को देखा जा सकता है। यहाँ व्यवस्थाओं की बदहाली और कथित लापरवाही के कारण मासूम बच्चे और गर्भवती माताएं इस चिलचिलाती धूप और उमस में तपने को मजबूर हैं। आंगनवाडी केंद्र में बिजली का मीटर और दीवार पर पंखा तो लगा है, लेकिन वे सिर्फ शो-पीस बनकर रह गए हैं।

जानकारी अनुसार घुघरी मुख्यालय के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-3 में नियमित रूप से बच्चों का टीकाकरण किया जाता है। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी के बावजूद केंद्र में पंखा बंद पड़ा है। आलम यह है कि टीकाकरण के लिए आने वाले छोटे-छोटे नौनिहाल बच्चे और माताएं गर्मी से बेहाल हो रहे हैं। लापरवाही का आलम इतना है कि मजबूरन परिजनों को अपने मासूम बच्चों को हाथ के पंखे या कपड़े से हवा करनी पड़ रही है। इस अव्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

कार्यकर्ता ने लाइनमैन पर मढ़ा दोष-जब इस अव्यवस्था और बंद पड़े पंखे के संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से जवाब मांगा गया, तो उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। कार्यकर्ता का कहना है कि लाइनमैन द्वारा कनेक्शन नहीं किया जा रहा है और वे लगातार मामले को टाल रहे हैं। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यकर्ता की उदासीनता के कारण बच्चों को इस प्रताड़ना से गुजरना पड़ रहा है।

कार्रवाई का मिला आश्वासन-केंद्र की इस बदहाली से नाराज ग्रामवासियों ने मामले की शिकायत सीधे महिला एवं बाल विकास विभाग के उच्च अधिकारियों से की है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी ने आश्वस्त किया है कि मामले की जांच कर लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही केंद्र में जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति दुरुस्त कराकर पंखा चालू कराया जाएगा।

इनका कहना है

सरकार के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। एक तरफ पोषण आहार देने की बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं, तो दूसरी आंगनबाड़ियों में न बिजली है और न ही पानी की व्यवस्था।

नारायण सिंह पट्टा, विधायक

मैं अपनी नातिन को टीकाकरण कराने आया था। यहाँ पर मैं लगभग 1 साल से आ रहा हूँ, लेकिन पंखा बंद है। मात्र शो-पीस के लिए मीटर लगवा दिया गया है। व्यवस्थाएं भगवान भरोसे हैं।

दीपक अग्रवाल, स्थानीय नागरिक, घुघरी

घटना

टेरिटोरियल फाइट और फेफड़ों में संक्रमण से मौत की आशंका, अधिकारियों और एनटीसीए प्रतिनिधि की मौजूदगी में हुआ भस्मीकरण

कान्हा नेशनल पार्क में 5 वर्षीय नर बाघ की मौत, मुक्की परिक्षेत्र में मिला शव

मंडला, नवभारत। विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व के मुक्की परिक्षेत्र के बीट मोहगांव के कक्ष क्रमांक 156 में एक 5 से 6 वर्ष के नर बाघ का शव मिलने से पार्क प्रबंधन और वन्यजीव प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई है । प्रारंभिक जांच में बाघ की मौत आपसी संघर्ष (टेरिटोरियल फाइट) के कारण आई चोटों और फेफड़ों में संक्रमण की वजह से होना सामने आया है।

जानकारी अनुसार मंगलवार 19 मई की सुबह कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक, उप संचालक और वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी को मुक्की परिक्षेत्र में एक बाघ के घायल और अस्वस्थ होने की सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर अधीनस्थ वन अमले के साथ क्षेत्र में बाघ की तलाश और मॉनिटरिंग का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया। इसी खोजबीन के दौरान गश्ती दल को उक्त बाघ मृत अवस्था में झाड़ियों के बीच पड़ा मिला।

डॉग स्क्वॉड से कराई गई घटना स्थल की जांच

बाघ का शव मिलते ही पार्क प्रबंधन ने इसकी सूचना तत्काल प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) मप्र भोपाल को दी । राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के कड़े प्रोटोकॉल के तहत सबसे पहले घटना स्थल को चारों तरफ से पूरी तरह सुरक्षित किया गया। किसी भी प्रकार की शिकारी गतिविधि या मानवीय साजिश की आशंका को खारिज करने के लिए डॉग स्क्वॉड की सहायता से पूरे घटना स्थल और आसपास के क्षेत्र का गहन निरीक्षण कराया गया।

शव के सभी अंग मिले सुरक्षित

वन्यजीव चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल, बैहर के पशु चिकित्सक डॉ. आशीष वैद्य और पशु चिकित्सक डॉ. ज्योति मरावी के तीन सदस्यीय दल द्वारा मृत बाघ का पोस्टमार्टम, शव परीक्षण किया गया। डॉक्टरों के पैनल ने जांच में पाया कि मृत बाघ नर था और उसकी उम्र लगभग 5-6 वर्ष के बीच थी। बताया गया कि बाघ के शरीर के समस्त अंग और महत्वपूर्ण अवयव जैसे कि उसके चारों केनाइन नुकीले दांत, नाखून और मूंछ के बाल पूरी तरह सुरक्षित पाए गए। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह शिकार का मामला नहीं है। पोस्टमार्टम के दौरान डॉक्टरों की टीम ने मौत के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए विसरा और अन्य फोरेंसिक जांच के लिए सैंपल भी संकलित किए हैं ।

अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

पोस्टमार्टम की वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद एनटीसीए द्वारा निर्धारित समस्त दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया गया। भस्मीकरण समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों की प्रत्यक्ष मौजूदगी में वन्यजीव बाघ के शव का अंतिम संस्कार किया गया। इस संपूर्ण संवेदनशील प्रक्रिया के दौरान कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक रविन्द्र मणी त्रिपाठी, उप संचालक पीके वर्मा, हालोन के सहायक संचालक अजय ठाकुर, मलांजखंड के सहायक संचालक मितेन्द्र चिचखेड़े, तहसीलदार एसएस मार्को, कुमादेही की सरपंच स्नेहलता पंद्रे, एनटीसीए प्रतिनिधि डॉ. श्रवणा गोस्वामी, फील्ड बायोलॉजिस्ट अजिंक्य देशमुख, मुक्की के परिक्षेत्र अधिकारी वीरेन्द्र जामोर और खापा बफर की परिक्षेत्र अधिकारी संध्या देशकर सहित अन्य वन अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विशेष टीकाकरण और हेड काउंट सर्वे को लेकर कार्यशाला

बीजाडांडी। विकासखंड बीजाडांडी में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और आगामी अभियानों के सफल क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, आशा सहयोगी और आशा कार्यकर्ताओं को आगामी अभियानों के लिए विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

बीसीएम राहुल चंद्रौल ने बताया कि कार्यशाला में मुख्य रूप से दो आगामी बड़े कार्यक्रम हेड काउंट सर्वे और विशेष टीकाकरण अभियान की रूपरेखा साझा की गई। कार्यक्रम के विषय में विस्तार से बताते हुए कहां कि यह सर्वे 20 मई से 05 जून तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें घर-घर जाकर लक्ष्य समूह की पहचान की जाएगी। इसके साथ ही सर्वे के बाद 08 जून से 19 जून तक विशेष टीकाकरण अभियान संचालित होगा, जिसका उद्देश्य छूटे हुए बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण सुनिश्चित करना है। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को हेड काउंट सर्वे की बारीकियों, लक्ष्य समूह की सटीक पहचान और डेटा संकलन के बारे में जानकारी दी।